2023/FYUG/ODD/SEM/
HINDSC–102T/007

FYUG Odd Semester Exam., 2023
(Held in 2024)

HINDI

(1st Semester)

Course No. : HINDSC–102T

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता)

Full Marks : 70
Pass Marks : 28

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

विभाग—क

प्रत्येक इकाई में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देते हुए कुल दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2×10=20

इकाई—I

1. चानन भेल विषम सर रे, भूषण भेल भारी।
सपनहुँ हरि नहिं आयल रे, गोकुल गिरधारी॥
—आशय स्पष्ट कीजिए।

2. अमीर खुसरो का परिचय दीजिए।

3. 'गीतिकाव्य' का अर्थ लिखिए।

इकाई—II

4. 'साखी' का अर्थ लिखिए।

5. यह तन जारौं मसि करौं, ज्यूँ धूवाँ जाइ सरग्गि।
मति वै राम दया करें, बरसि बुझावैं अग्गि॥

—भाव स्पष्ट कीजिए।

6. 'बारहमासा' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

इकाई—III

7. 'भ्रमरगीत' से क्या अभिप्राय है?

8. तुलसीदास कृत किन्हीं चार काव्य-ग्रंथों के नाम लिखिए।

9. तू दयाल, दीन हौं, तू दानि, हौं भिखारी।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंज हारी॥

—आशय स्पष्ट कीजिए।

इकाई—IV

10. हे री मैं तो दरस दिवानी, मेरो दरद न जाणै कोइ।
घायल की गति घायल जाणै, की जिनलाई होइ॥

—भावार्थ लिखिए।

11. मीराँबाई की किन्हीं चार काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

12. कवि रसखान एक लकुटी और कामरिया पर सब कुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार हैं?

इकाई—V

13. कनक-कनक तैं सौगुनी मादकता अधिकाइ।
उहिं खाएँ बौराइ, इहिं पाए ही बौराइ॥

—भाव स्पष्ट कीजिए।

14. घनानंद के काव्य में 'सुजान' कौन है?

15. बिहारीलाल की नायिका भरी सभा में किस विधि से बात करती है?

विभाग—ख

प्रत्येक इकाई में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10×5=50

इकाई—I

16. विद्यापति की श्रृंगारिक भावना पर प्रकाश डालिए।

17. 'कयमास-वध' के भावपक्ष को स्पष्ट कीजिए।

इकाई—II

18. कबीर की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

19. ''जायसी के विरहाकुल हृदय की गहन अनुभूति का सर्वाधिक मार्मिक चित्रण नागमती के विरह-वर्णन में प्राप्त होता है।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

इकाई—III

20. तुलसीदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

21. सूरदास के वात्सल्य वर्णन को स्पष्ट कीजिए।

इकाई—IV

22. कृष्णभक्त कवि के रूप में रसखान का मूल्यांकन कीजिए।

23. मीरा की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

इकाई—V

24. बिहारी की बहुज्ञता को स्पष्ट कीजिए।

25. ''घनानंद प्रेम के पीर के कवि हैं।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

★★★